

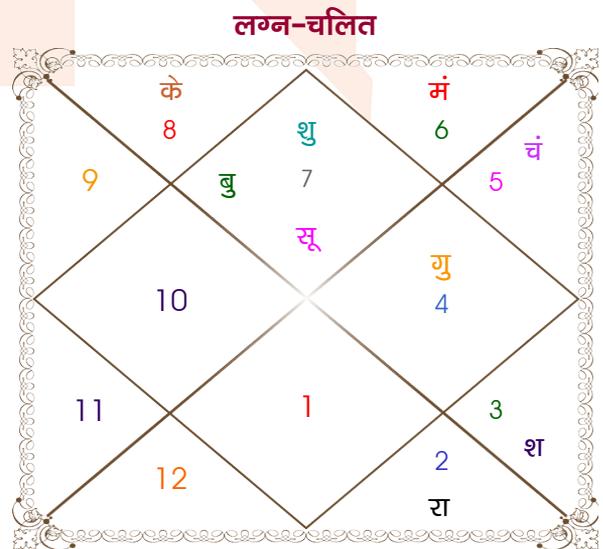
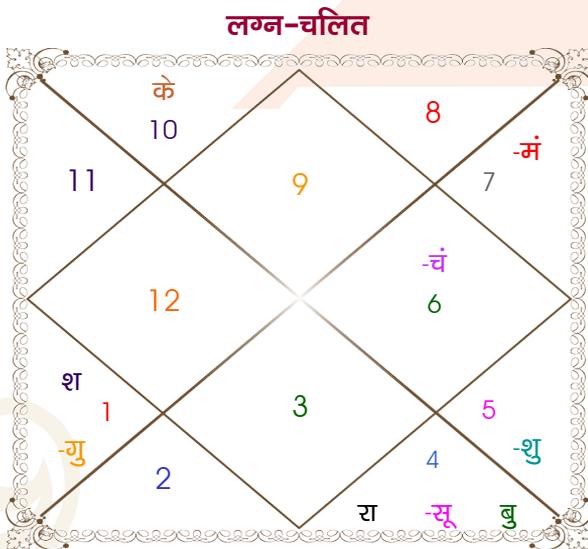


Model: Web-FreeMatching

Order No: 121091406

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 18/07/1999 : _____ जन्म तिथि _____ : 31-01/11/2002
 रविवार : _____ दिन _____ : गुरु-शुक्रवार
 घंटे 18:20:00 : _____ जन्म समय _____ : 06:30:00 घंटे
 घटी 31:53:52 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 59:53:58 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:34:27 : _____ सूर्योदय _____ : 06:32:24
 19:20:09 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:36:57
 23:50:51 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:53:30

विंशोत्तरी चन्द्र 9वर्ष 6मा 5दि राहु	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 8वर्ष 4मा 21दि चन्द्र
22/01/2016	17:23:31	धनु	लग्न	तुला	13:04:43	23/03/2017
22/01/2034	01:37:23	कर्क	सूर्य	तुला	14:32:12	24/03/2027
राहु	10:38:52	कन्या	चंद्र	सिंह	21:04:21	चन्द्र
04/10/2018	11:14:38	तुला	मंगल	कन्या	16:31:14	22/01/2018
गुरु	14:25:59	कर्क व	बुध	तुला	06:16:00	22/02/2020
27/02/2021	08:54:54	मेष	गुरु	कर्क	22:27:28	23/08/2018
शनि	08:54:43	सिंह	शुक्र व	तुला	13:40:17	22/06/2021
23/07/2026	21:47:36	मेष	शनि व	मिथु	04:48:34	22/01/2023
11/08/2027	19:13:16	कर्क	राहु व	वृष	15:10:03	22/06/2024
10/08/2030	19:13:16	मक	केतु व	वृश्चि	15:10:03	21/01/2025
05/07/2031	21:45:14	मक व	हर्ष व	कुंभ	01:01:15	22/09/2026
03/01/2033	09:20:26	मक व	नेप	मक	14:20:26	24/03/2027
22/01/2034	14:09:04	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	22:09:19	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

